राजेन्द्र राठौड़ का सार्वजनिक जीवन एक मिसाल है- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राठौड़ ने कहा, यह जन्म दिन का उत्सव नहीं, प्रधानमंत्री के आव्हान के संकल्प का समागम है

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, ईआरसीपी, गंग नहर तथा यमुना समझौता- सभी के कार्य जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं।**

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्म दिवस पर चूरू में आयोजित "संकल्प दिवस समारोह" को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र राठौड़ का सार्वजनिक जीवन राजनीति में एक मिसाल है।

चूरू / जयपुर, 21 अप्रैल। चूरू जिले के पुलिस लाइन मैदान में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्म दिवस पर आयोजित "संकल्प दिवस समारोह" में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि राजनीति जनता के कल्याणकारी कार्यों से होती है। उन्होंने कहा कि राजेन्द्र राठौड़ का सार्वजनिक जीवन राजनीति में एक मिसाल है। उनके जन्मदिन पर "एक पेड़ माँ के नाम" का संकल्प कार्यकर्ताओं व आमजन के द्वारा लेना एक अनुकरणीय प्रयास है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमने पूरे राजस्थान में पानी के लिए कार्य किया है। चाहे ईआरसीपी हो, गंग नहर हो या यमुना समझौता हो, सभी कार्य जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि जब हरियाणा में चुनाव आया तो वहां की कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में लिखा कि अगर हरियाणा में कांग्रेस की सरकार आएगी तो राजस्थान से यमुना का समझौता हम रद्द कर देंगे। उस घोषणा पत्र को जारी करते समय प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वयं मौजूद थे।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह आयोजन इस बार भी जन्मदिन उत्सव नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान के संकल्प का समागम है। इसी को लेकर कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने एक वर्ष में 100 पेड़ लगाने, शेखावाटी में सामाजिक बुराई बाल विवाह व भ्रूण हत्या को रोकने,गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने प्राकृतिक जल स्रोतों, जोहड़, बावड़ी, जो गांव में बनी हैं, उसके संरक्षण का और बेटियों को शिक्षित करने का संकल्प लिया। राठौड़ ने कहा, उनका जन्मदिवस प्रतिवर्ष संकल्प दिवस के रूप में समर्थकों और कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया जाता रहा है।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, प्रदेश सरकार के मंत्री अविनाश गहलोत व गौतम दक , हरियाणा सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री रणवीर गंगवा जी,हिसार के नलवा से विधायक रणधीर पनिहार , चूरू विधायक हरलाल सहारण , डीग-कुम्हेर विधायक डॉ.शैलेश सिंह , नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा , चूरू लोकसभा से पद्मविभूषण देवेंद्र झाझड़िया , पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

'वैंस की भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भिन्न आर्थिक लक्ष्यों को प्रदर्शित करते हैं। जहाँ अमेरिका अपने व्यापार के उत्थान के लिये टैरिफ का उपयोग हथियार के रूप में कर रहा है, वहीं भारत का फोकस अपने उद्योगों के संरक्षण पर तथा नियमाधारित निष्पक्ष व्यापार करने पर बना हुआ है।

वांग ने कहा कि वैंस भले ही भारत को चीन के महँगे होते जा रहे आयातों के संभावित विकल्प के रूप में देख रहे हों, लेकिन भारत की वर्तमान सप्लाई चेन क्षमताएँ चीन की क्षमता और निपुणता एवं कुशलता की बराबरी नहीं कर सकतीं। इसके अलावा, भारत से आयातों को बढ़ाना अमेरिका के उन प्रयासों के प्रतिकूल रहेगा, जो अमेरिका व्यापार घाटा कम करने तथा उद्योगों को अपने देश में लाने की दिशा में कर रहा है। उन्होंने वैंस के उपरोक्त संभावित प्रयासों को अन्तर्विरोधी बताया।

चीनी विशेषज्ञों ने भारत को सचेत किया है कि वह व्यापारिक प्रस्तावों के पर्दे में छिपे वॉशिंगटन के "अमेरिका फर्स्ट" के सिद्धांत के प्रति सजग एवं चौकन्ना रहे। कियान ने निष्कर्ष के रूप में कहा कि भारत का सर्वोत्तम हित अपना स्वतंत्र रास्ता बनाने और बनाये रखने में तथा अमेरिका के साथ अपनी शर्तों पर समझौता करने में तथा उन देशों के साथ अपने संबंध मजबूत करने में निहित है, जो खुले और बराबरी के व्यापार के लिये ईमानदारी के साथ संकल्पित हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने गौ तस्कर नाज़िम खान की जमानत रद्द की

- **अदालत ने यह आदेश राज्य सरकार की पुनर्विचार याचिका को स्वीकार करते हुए दिया।**

जयपुर, 21 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने गौ तस्करी से जुड़े मामले में, आरोपी व आदतन अपराधी नाजिम खान को 21 अक्टूबर 2024 को दी गयी जमानत के आदेश को वापस लेकर उसकी जमानत रद्द कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश राज्य सरकार की पुनर्विचार याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

मामले से जुड़े राज्य सरकार के एएजी शिवमंगल शर्मा ने बताया कि सर्वोच्च अदालत ने 21 फरवरी को इस मामले में यूपी सरकार को पक्षकार बनाते हुए, उसे निर्देश दिया था कि वह आरोपी के खिलाफ दर्ज सभी पेंडिंग केसों की लिस्ट व उसकी फरारी के संबंध में रिपोर्ट पेश करे। वहीं, आरोपी नाजिम खान को भी शपथ पत्र पेश कर उसके खिलाफ पेंडिंग केसों का ब्यौरा देने के लिए कहा था। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में पैरवी में राज्य सरकार की लापरवाही और किसी के उपस्थित नहीं होने के चलते, 21 अक्टूबर, 2024 को आरोपी को जमानत दे दी गयी थी। राज्य सरकार ने जमानत आदेश को वापस लेने के लिए पुनर्विचार याचिका दायर की थी। राज्य सरकार का कहना था कि आरोपी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट, आयुध अधिनियम, गौवध कानून और हत्या का प्रयास जैसे संगीन आरोप के केस दर्ज हुए हैं, जिनमें से वह 5 मामलों में भगोड़ा घोषित हो चुका है और उसके गैर-जमानती वारंट जारी किए जा चुके हैं। मौजूदा केस में भी वह तीन साल से फरार था और अप्रैल 2024 में उसे अलीगढ़ से गिरफ्तार किया गया। वहां पर भी वह गौ तस्करी केस में ही बंद था। इसलिए आरोपी को दी गई जमानत रद्द की जाए। आरोपी के खिलाफ करौली जिले के नादौती में 13 फरवरी 2021 को गौ तस्करी की रिपोर्ट दर्ज कराई गयी थी। इसमें कहा गया था कि एक कंटेनर में वह गौवंश की तस्करी कर रहा था।

अमेरिकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थगित कर दिया गया है। यदि भारत अमेरिका की टीम को यह समझाने में सफल हो जाता है कि वह एक संतुलित व्यापार समझौता चाहता है, न कि एक पूर्ण व्यापार युद्ध, तो यह भारत-अमेरिका संबंधों के लिए नए अवसर खोल सकता है। यह स्थिति दुनिया के दो अन्य प्रमुख खिलाड़ियों, चीन और यूरोपीय संघ, के रुख से बिल्कुल अलग है। लेकिन यह मत भूलिए, जैसे ही ट्रंप को इनमें से किसी के भी साथ कोई सौदा करने का अवसर मिलेगा, वे उसे तुरंत लपक लेंगे, क्योंकि ये दोनों ब्लॉक उनके लिए बेहद अहम हैं। भारत के पास यह एक अनमोल अवसर है कि वह अमेरिका के साथ एक अनुकूल समझौते की दिशा में कदम बढ़ाए, इससे पहले कि ट्रंप की प्राथमिकताएं बदल जाएँ। भारत इस बार देशहित को सुरक्षित रखने की दिशा में सही कदम उठा रहा है।

प्रजापति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसमें कोई संदेह नहीं है कि हरीश चौधरी मुश्किल में हैं, असल में बहुत बड़ी मुश्किल में हैं, क्योंकि भाजपा यह मुद्दा जोर-शोर से उठाएगी। चौधरी मध्य प्रदेश में कांग्रेस के प्रभारी और एआईसीसी महासचिव है। इसके बाद राहुल को हरीश चौधरी के बारे में विचार करना होगा,

- **क्या यह अशोक गहलोत की राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की आखिरी जीत है, क्योंकि गहलोत ने ही, मु.मंत्री की हैसियत से इस हत्याकांड की जाँच सीबीआई को जाँच के लिये सौंपी थी।**
- **हरीश फिलहाल, कांग्रेस पार्टी की ओर से मध्य प्रदेश के प्रभारी हैं।**

खासकर चौधरी के खिलाफ हाल में हुए घटनाक्रम के बाद। यह मुद्दा लम्बे समय से अधरझूल में है। जब अखबारों ने प्रजापति के फर्ज़ी एनकाउन्टर के बारे में लिखा था, तब चौधरी बंधुओं ने अखबार के खिलाफ केस करने की धमकी दी थी। अब इस बेहद गंभीर मसले से खुद को बचाने के लिए हरीश चौधरी को अपनी सभी चतुर चालें काम में लेनी होंगी।

जयपुर कलैक्टर हाउसिंग बोर्ड से हर्जाना वसूल करें

- **जिला उपभोक्ता आयोग ने हाउसिंग बोर्ड को परिवादी के रूपये वापस करने के साथ 3.10 लाख रूपये का हर्जाना देने को कहा था।**

जयपुर, 21 अप्रैल। जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय ने जयपुर कलेक्टर को कहा है कि वे एक प्रकरण में आवासन मंडल पर लगाए गए हर्जाने की वसूली कर आयोग को उसकी जानकारी पेश करें। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना ने यह आदेश पीबी जैन की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिया। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि परिवादी ने सिरोही में आवास आवंटित करने के लिए साल 1983 में आवासन मंडल में पंजीयन राशि जमा करवा कर पंजीकरण कराया था। अगले साल मंडल ने आवेदन कम होने का हवाला देकर पंजीयन राशि वापस लेने को कहा। इसके बाद, परिवादी ने उसका पंजीकरण सिरोही से भीलवाड़ा शिफ्ट करने के लिए शुल्क सहित प्रार्थना पत्र दिया। परिवाद में कहा गया कि आवासन मंडल के अलग-अलग कार्यालय एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं, लेकिन उसे भीलवाड़ा में आवास आवंटित नहीं किया गया। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि जिला उपभोक्ता आयोग ने 21 सितंबर, 2009 को आवासन मंडल को निर्देश दिए थे कि वह मई, 1996 की लागत से परिवादी को भीलवाड़ा में एमआईजी का आवास आवंटित करे। आवास उपलब्ध नहीं होने पर परिवादी को दस लाख रुपए अदा करने को कहा गया था। इसके अलावा, आयोग ने मंडल पर 3.10 लाख रुपए का हर्जाना भी लगाया था। आदेश की पालना नहीं होने पर, परिवादी ने आयोग में वसूली प्रार्थना पत्र पेश कर आदेश की पालना की गुहार की। मामले पर सुनवाई करते हुए आयोग ने जिला कलेक्टर को वसूली कर पालना रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

पोप फ्रांसिस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सात बजकर 35 मिनट पर कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने आखिरी सांस ली। पोप फ्रांसिस इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे।पिछले कई महीनों से वे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। वह पांच हफ्ते तक फेफड़ों में इन्फेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती थे।

इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर, वैटिकन ने बताया था कि पोप की रक्त जांच रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। साथ ही रक्त में प्लेटलेट्स की कमी का भी पता चला था। चौदह मार्च को हालांकि उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी थी।सत्रह दिसंबर 1936 को जन्मे पोप फ्रांसिस अर्जेंटीना के एक जेसुइट पादरी थे। वे 2013 में रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप बने थे। उन्हें पोप बेनेडिक्ट सोलहवें का उत्तराधिकारी चुना गया था। पोप फ्रांसिस बीते 1000 साल में पहले ऐसे इंसान थे जो गैर-यूरोपीय होते हुए भी कैथोलिक धर्म के सर्वोच्च पद पर पहुंचे।

लालू-राबड़ी व नीतीश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेतृत्व की नई पीढ़ी उभरकर आये। जहाँ भाजपा के सम्राट चौधरी तथा आरजेडी के तेजस्वी यादव ऐसे उभरते हुए राजनेताओं के रूप में देखे जा रहे हैं, वहीं चिराग पासवान और प्रशांत किशोर जैसे राजनैतिक नेता भी बिहार राजनीति की उभरती हुई दुनिया में स्वयं के लिये अवसर एवं गुंजाइश की कल्पना सँजो रहे हैं।

चिराग पासवान क इस ताजा बयान का स्वागत उनकी अपनी पार्टी में तो हुआ ही है, उनके इस बयान का स्वागत राज्य के भाजपा नेताओं ने भी किया है। इसके साथ ही, यह भी माना जा रहा है कि भाजपा और आरजेडी के नेतृत्व वाले खेमे के बीच बराबर की टक्कर की स्थिति में, एलजेपी (आरवी) जैसे छोटे राजनैतिक दल अपनी मुँह-माँगी मुराद पूरी कराने के लिय दबाव बनाएं।

ऐसी भी संभावना है कि चिराग एनडीए के अंदर सीट-समायोजन के समय काफी बड़ा हिस्सा माँगें तथा कुमार की जेडीयू को दबायें पिछले विधानसभा चुनावों में, जेडीयू और भाजपा बराबर सीटों पर चुनाव लड़ीं थीं, लेकिन जेडीयू का स्ट्राइक रेट खराब रहा था। पिछले वर्ष हुये लोकसभा चुनावों में, जेडीयू ने उस नुकसान की भरपायी करते हुये, 17 में से 16 सीटें जीत ली थीं। जेडीयू ने 17 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किये थे।

इस समय, नीतीश कुमार के कद और प्रभाव में कमी आ गई है, लेकिन एक चतुर, मोल-तोल करने में माहिर नेगोशिएटर के रूपमें उनका कौशल और चतुराई यथावत हैं, उसमें कोई कमी नहीं आई है। ऐसी पूरी-पूरी संभावना है कि वे भाजपा के बराबर सीटों पर चुनाव लड़ने की बात करें एवं माहौल बनाएं। लेकिन प्रश्न यह है: क्या भाजपा एक बार फिर जेडीयू की पिटाई के लिये चिराग रूपी लाठी का उपयोग करेगी?

जेल प्रहरी पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जमानत देने से समाज व परीक्षार्थियों का भी मनोबल कम होता है। इसलिए आरोपी को जमानत नहीं दे सकते।

आरोपी की ओर से कहा कि उसे केस में झूठा फंसाया गया है और वह 7 अप्रैल से अभिरक्षा में है। इसलिए उसे जमानत दी जाए।

इसका विरोध करते हुए, लोक अभियोजक लियाकत अली ने बताया कि आरोपी ही जेल प्रहरी भर्ती पेपर लीक का मास्टर माइंड है। उसने ही 60 लाख रुपए में पेपर खरीदा था और बाद में 1.50 लाख रुपए के हिसाब से कई अन्य लोगों को बेचा था। इसके अलावा, अन्य सह आरोपियों को उसने ही पेपर लीक करने के लिए संसाधन मुहैया कराए थे।

आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है और उसने अनुसंधान में सहयोग नहीं किया है। इसलिए उसे जमानत नहीं दी जाए।

कोर्ट ने राज्य सरकार की दलीलों से सहमत होकर आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

गहलोत सरकार का कोविड प्रबंधन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौर फरमाने योग्य है कि कोविड महामारी के दौरान एस.डी.आर.एफ. के उपयोग से मेडिकल उपकरणों की खरीद में भारी धांधली का पुख्ता प्रमाण इन प्रकाशित दस्तावेजों में देखा जा सकता है, जहां एस.एम.एस. अस्पताल में मात्र साढ़े नौ लाख रुपये में एक वेंटिलेटर की खरीद की जा रही थी और केवल 5 प्रतिशत जी.एस.टी.दिया जा रहा था, वहीं दूसरी ओर बीकानेर में 1एक वेंटिलेटर 16 लाख रुपये से ज्यादा कीमत का खरीदा गया, कुल 11 वेंटीलेटर खरीदे गए और इन पर 12 प्रतिशत जी.एस.टी. भी लगा, यानि 200 प्रतिशत से भी अधिक कीमत दी गई।

इस पूरे प्रकरण में एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज की क्रय समिति और बीकानेर के एस पी मेडिकल कॉलेज की क्रय समिति के वित्तीय सलाहकारों की कार्य प्रणाली पर कई सवाल उठते हैं कि उन्होंने सभी सरकारी अस्पतालों के मेडिकल कॉलेजों से उनकी जरूरत अनुसार मेडिकल उपकरणों की खरीद के लिये प्रस्ताव क्यों नही मांगे। और फिर एक साथ "बल्क" में मेडिकल उपकरणों की खरीद के लिये आदेश क्यों नहीं जारी किये गये, जिससे उन्हें किफायती दरों पर अच्छे मेडिकल उपकरण मिल जाते, परंतु गहलोत सरकार के अधिकारियों ने इस नीति को ना अपनाते हुए अलग-अलग अस्पतालों में गैर कानूरी तरीके से बने आई.सी.यू. के लिए मेडिकल उपकरणों की खरीद के अलग-अलग आदेश दिये, जिनमें भारी धांधली की गई और मित्र कंपनियों को खुश रखने के लिये भारी दरों पर जी.एस.टी. का भुगतान किया गया।

पाठकों को बता दें कि एस.डी.आर. एफ. राज्य सरकार को हर वर्ष केंद्र सरकार की ओर से जारी किया जाता है, यानी केंद्र सरकार के दिये गये फंड में प्रदेश में अफसरों की मदद से हेराफेरी की गई, इसलिये उचित यही है कि इस घोटाले की जांच भी केंद्र सरकार की जांच एजेंसियां ही करें।

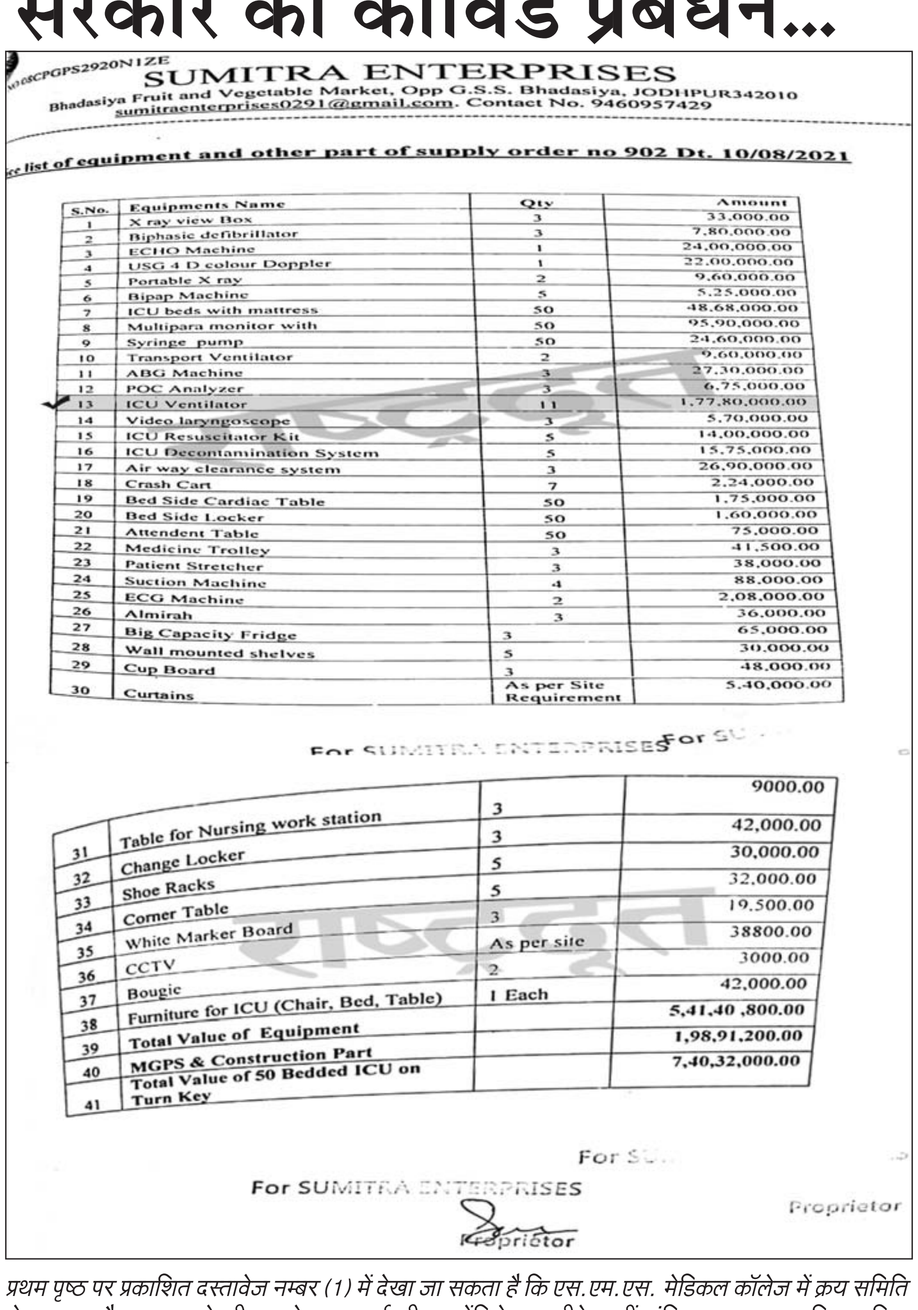

SUMITRA ENTERPRISES
Bhadasiya Fruit and Vegetable Market, Opp G.S.S. Bhadasiya, JODHPUR342010
sumitraenterprises0291@gmail.com. Contact No. 9460957429

...e list of equipment and other part of supply order no 902 Dt. 10/08/2021

S.No.	Equipments Name	Qty	Amount
1	X ray view Box	3	33,000.00
2	Biphasic defibrillator	3	7,80,000.00
3	ECHO Machine	1	24,00,000.00
4	USG 4 D colour Doppler	1	22,00,000.00
5	Portable X ray	2	9,60,000.00
6	Bipap Machine	5	5,25,000.00
7	ICU beds with mattress	50	48,68,000.00
8	Multipara monitor with	50	95,90,000.00
9	Syringe pump	50	24,60,000.00
10	Transport Ventilator	2	9,60,000.00
11	ABG Machine	3	27,30,000.00
12	POC Analyzer	3	6,75,000.00
13	ICU Ventilator	11	1,77,80,000.00
14	Video laryngoscope	3	5,70,000.00
15	ICU Resuscitator Kit	5	14,00,000.00
16	ICU Decontamination System	5	15,75,000.00
17	Air way clearance system	3	26,90,000.00
18	Crash Cart	7	2,24,000.00
19	Bed Side Cardiac Table	50	1,75,000.00
20	Bed Side Locker	50	1,60,000.00
21	Attendent Table	50	75,000.00
22	Medicine Trolley	3	41,500.00
23	Patient Stretcher	3	38,000.00
24	Suction Machine	4	88,000.00
25	ECG Machine	2	2,08,000.00
26	Almirah	3	36,000.00
27	Big Capacity Fridge	3	65,000.00
28	Wall mounted shelves	5	30,000.00
29	Cup Board	3	48,000.00
30	Curtains	As per Site Requirement	5,40,000.00

For SUMITRA ENTERPRISES

31	Table for Nursing work station	3	9000.00
32	Change Locker	3	42,000.00
33	Shoe Racks	5	30,000.00
34	Corner Table	5	32,000.00
35	White Marker Board	3	19,500.00
36	CCTV	As per site	38800.00
37	Bougie	2	3000.00
38	Furniture for ICU (Chair, Bed, Table)	1 Each	42,000.00
39	Total Value of Equipment		5,41,40,800.00
40	MGPS & Construction Part		1,98,91,200.00
41	Total Value of 50 Bedded ICU on Turn Key		7,40,32,000.00

For SUMITRA ENTERPRISES
Proprietor

प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित दस्तावेज नम्बर (1) में देखा जा सकता है कि एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज में क्रय समिति ने लगभग नौ लाख रुपये की दर से आठ आई.सी.यू. वेंटिलेटर खरीदे। वहीं अंतिम पृष्ठ पर प्रकाशित सुमित्रा एन्टरप्राइजेज के सम्पूर्ण बिल (एन्ट्री नं. 13) में देखा जा सकता है, कि बीकानेर में 11 वेंटिलेटर लगभग 16 लाख रुपये की दर से खरीदे गये। जिससे साफ जाहिर है कि इन मेडिकल कॉलेजों की क्रय समिति में कार्यरत सरकारी वित्त सलाहकारों ने अलग-अलग दरों पर वेंटिलेटर खरीदे जबकि उन्हें प्रदेश में सभी अस्पतालों की जरूरतों को देखते हुए वेंटिलेटरों की "बल्क" में खरीद के आदेश देने चाहिये थे, जिससे उन्हें किफायती दर मिलती।

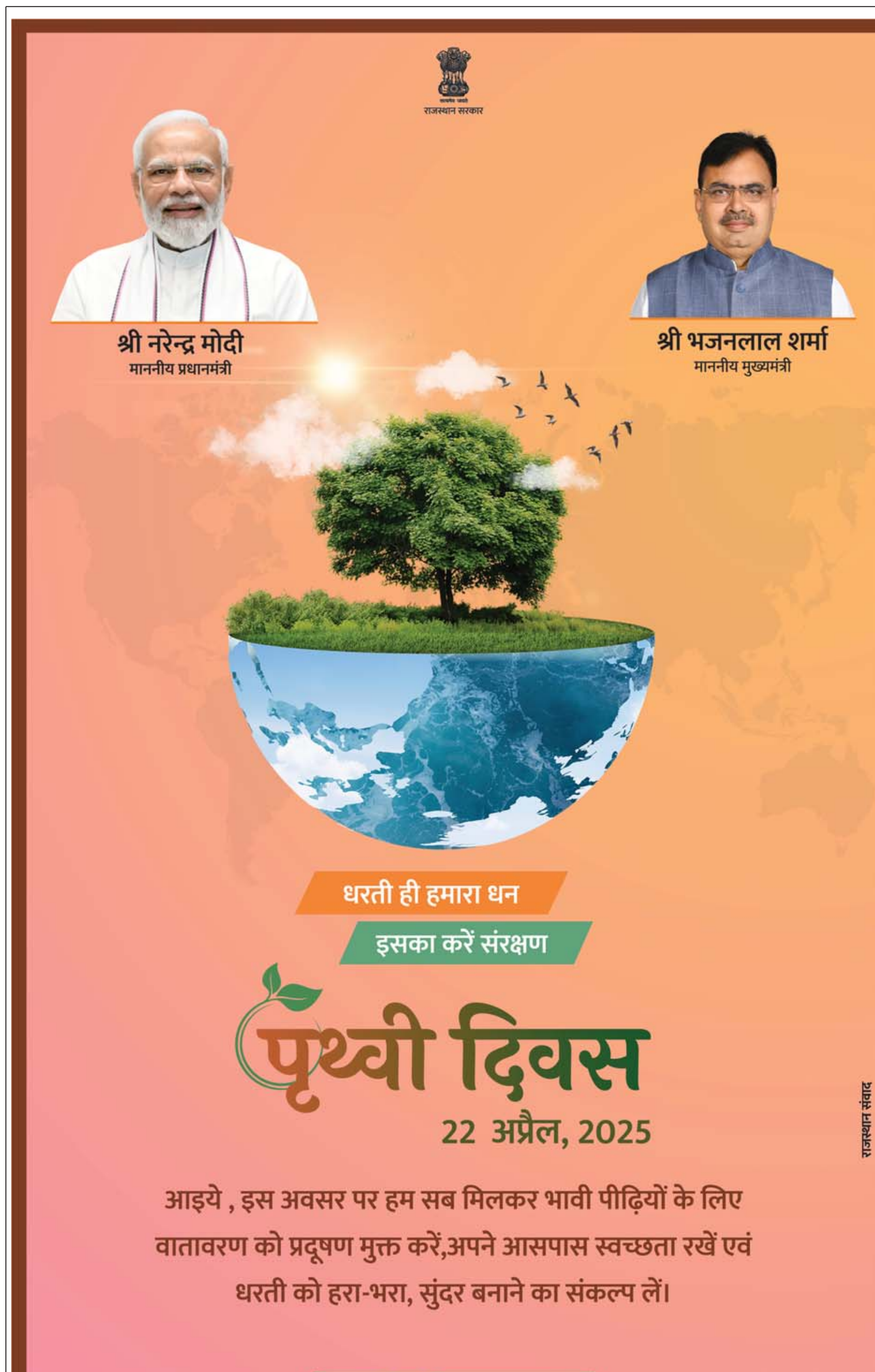

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908